राजस्थान में नकली डिग्री रैकेट का भंडाफोड़, अब तक 10 करोड़ से ज्यादा की ठगी, कई यूनिवर्सिटी से मिलीभगत होने की आशंका

देश में निजी विश्वविद्यालयों के नाम पर नकली डिग्री और प्रमाण पत्र बनाने का एक बड़ा रैकेट तेजी से फल-फूल रहा है. राजस्थान में हाल ही में हुई पुलिस कार्रवाई से यह बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है, जिसमें बेरोजगार और अनपढ़ युवाओं को नकली डिग्रियां देकर मोटी रकम वसूलने वाले ठगों ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं. जयपुर में पुलिस ने पहले ई-मित्र कियोस्क के जरिए चल रहे कंसल्टेंसी सेंटर्स पर छापा मारा, जिसमें तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. इनके कब्जे से 750 से अधिक फर्जी डिग्रियां और मार्कशीट जब्त की गईं. छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में युवक-युवतियां नकली डिग्रियां बनवा रहे थे, लेकिन पुलिस की दस्तक होते ही वहां हड़कंप मच गया.

इतने करोड़ की हो चुकी ठगी जांच में पता चला है कि एक-एक नकली डिग्री 50 हजार से 2.5 लाख रुपये तक में बेची जाती थी. अनुमान है कि दो साल में ही यह गिरोह 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी कर चुका है. आरोपियों ने यह भी खुलासा किया है कि डिग्रियों के लिए वसूला गया पैसा सीधे संबंधित विश्वविद्यालयों के खातों में जमा कराया जाता था, जिससे कई निजी विश्वविद्यालयों की मिलीभगत उजागर हुई है. कई यूनिवर्सिटी भी शामिल अब तक की जांच में कई निजी विश्वविद्यालयों के नाम सामने आ चुके हैं. पुलिस ने छापेमारी में 16 विश्वविद्यालयों से जुड़े 3 हजार से ज्यादा दस्तावेज बरामद किए हैं, जिनमें बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और राजस्थान की निजी विश्वविद्यालयों शामिल हैं. इनमें से 700 से अधिक डिग्रियों को फर्जी तरीके से जारी करने का पता चला है, जिनका मिलान यूनिवर्सिटी के रिकॉर्ड से करवाया जा रहा है.

Source: https://www.aajtak.in/education/news/story/fake-university-degree-racket-busted-in-rajasthan-fraud-three-arrested-rptc-2088561-2024-11-05